पानी समूची सड़क पर फैलता रहा है जिससे आने-जाने वाले लोगों और यातायात हेतु इसका इस्तेमाल असम्भव खतरनाक हो जाता है;

(ड़) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण सड़कों का मौके पर जाकर अध्ययन करने का विचार रखता है अथवा क्या प्राधिकरण ने विगत में ऐसा कोई सर्वेक्षण किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इन सभी मार्गों पर इनकी पूरी चौड़ाई में पक्की सड़कों का निर्माण करने के लिये दिल्ली विकास प्राधिकरण क्या कार्यवाही करने का विचार रखता है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. के. थुंगन): (क) 130 मीटर तथा मार्गाधिकार से अधिक सड़कें, जैसे-सरस्वती विहार से विश्राम चौक (30 मीटर), मधुबन चौक से सेक्टर 7, 6 और 9 (45 मीटर) और अवन्तिका से सेक्टर-5 की ओर जाने वाली सड़क मई, 1993 से भावी सुधार/रखरखाव के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग को सौंप दी गयी थी। सुपुर्दगी के समय इन सड़कों के गमन मार्ग दिल्ली नगर निगम के मानकों के अनुसार बनाए गए थे। सड़क नं. 42-ए सरस्वती विहार चौक से विश्राम चौक और सेक्टर-5 तक जाती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि इस सड़क के दाहिनी ओर के गमन मार्ग में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सीवर/पानी की नालियां बिछायी हैं, जिनके लिए सड़क का पुनर्निर्माण डी० डी० ए० द्वारा किया जा रहा है। जहां तक बायीं ओर के गमन मार्ग की बात है, यह सड़क सीवर लाइन में धंस जाने के कारण कई जगहों से टूट-फूट गयी है। सड़क पर आने-जाने वालों की तत्काल सुविधा हेतु लोक निर्माण विभाग ने रोड़ी डाल दी है ताकि आने-जाने में कम से कम परेशानी हो। विश्राम चौक में दिल्ली नगर निगम के दिल्ली जल प्रदाय तथा मल व्ययन संस्थान और दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण कार्य जारी है जिसके कारण दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क नं. ए-3 का बायां गमन-मार्ग यातायात के लिए नहीं खोला गया है।

विश्राम चौक से मधुबन और नांगलोई नाले तक जाने वाली सड़क सं. 41-ए पर लोक निर्माण विभाग ने $1\frac{1}{2}$ किलोमीटर इसी पर 5 मीटर चौड़ी पट्टी बनायी है ताकि यातायात बिना किसी कठिनाई के चलता रहे। पटरी-नालियां और बीच की पटरियों सहित सड़कों का व्यापक सुधार कार्य प्रगति पर है।

लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि सड़क नं. ए-5 (4 लेन) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा पूरी कर ली गयी है। सड़क नं. ए-3 (4 लेन) लगभग डेढ़ सौ मीटर दूरी को छोड़कर, जहां दिल्ली विकास प्राधिकरण ने हाल ही में दुबारा सीवर लाइन बिछायी है, पूरी कर ली गयी है। विश्राम चौक से आने वाले बायीं ओर के मार्ग पर 90 मी० लम्बी सड़क नं० ए-4 (4 लेन) की दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा मरम्मत की जानी है तथा राजीव गांधी कैंसर संस्थान के निकट दिल्ली जल प्रदाय तथा मल व्ययन संस्थान द्वारा जल आपूर्ति लाइन बिछाने के कारण लगभग 350 मीटर लम्बी सड़क का पुनर्निर्माण किया गया। सड़क नं०; 42-ए के बायीं ओर के मार्ग पर यथा आवश्यक मरम्मत कार्य किया जा रहा है। सड़क नं० 41-ए के बायीं ओर के मार्ग का छः मीटर शेष भाग का सुधार कार्य प्रगति पर है। आर० डी० 250 से 3995 तक के दाहिनी ओर के मार्ग के निर्माण कार्य पहले ही दिया जा चुका है।

(ग) सड़कों का निर्माण/विकास कार्य चरणबद्ध रूप से किया जाता है। अतः इन सड़कों का विकास न करने के लिए असंगत निर्णय लेने का प्रश्न ही नहीं है।

(घ) लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि मुख्य मार्ग पर जहां-जहां पानी रुकता है पानी को बाहर निकालने के प्रयास किए जाते हैं।

(ङ) और (च) प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि इन सड़कों को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा भावी सुधार/रख-रखाव हेतु मई, 1993 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को सौंप दिया गया है ।

Lack of Basic Amenities in Rohini

4356. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether DDA, which has developed Rohini as one of its most prestigious projects has failed to provide basic amenities like good roads, drainage system, parks, road lights, water supply and other such important civic facilities; and

(b) if so, what steps Government have taken to improve the civic facilities there?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) and (b) The DDA has reported that basic amenities like good roads, drainage system, parks and water supply have all been provided in Rohini and are being maintained properly. The roads were dug up for restoration of settled sewer at six places and for laying of

storm water drains. These works have since been completed and the restoration of road is in progress. The execution of electrification schemes by DESU in Rohini has, by and large, been keeping pace with the building construction and other Developmemtal activities. The Delhi Water Supply & Sewage Disposal Undertaking (DWS & SDU) has reported that the water supply position in the area under its jurisdiction is satisfatory.

Additions in Government Accommodations

4357. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether allottees of type-III Government accommodation are entitled for additions/ alterations upto a maximum limit of Rs. 1500/ per annum which include laying of kota stone or Marble Stone slab in the kitchen and fixing of glazed tiles and can be taken up by concerned Service Cente of CPWD on priority basis if the allottee agrees to pay 10 percent of the cost immediately;

(b) if so, what are the reasons for denying this facility to the allottees of type-III quarters at Baba Khark Singh Marg. New Delhi on the grounds of nonavailability of funds and what are the details of the total amount allocated towards the Haveloc Square service centre under this head for the year 1994-95 and the balance available, if any, together with the details of items of works on which the allocated amount has since been exhausted;

(c) whether the allottees are communicated the positions; if not, what are the reasons therefor; and

(d) whether the main electric switch inside the quarters serviced by the said centre has since been replaced by MCB, in some quarters, if so, by when the same is likely to be replaced in all the quarters on Baba Kharak Singh Marg, New Delhi.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) Yes, Sir. Under the existing orders, additions/ alterations upto a maximum value of Rs. 1500/-per annum can be carried out in Type-III Government accommodation subject to availability of funds. Where, however, the allottees desire such additions/alterations to be done on priority basis, they have to bear 10 percent of the cost payable in advance.

(b) and (c) There is no instance where this facility has been denied to allottees of Baba Kharak Singh Marg Type-III quarters on grounds of non-availability of funds. There is no specific allotment of funds made to the service centres for taking up works of this nature. Since there has been no such instance, the question of communicating the position to the allottees does not arise;

(d) Yes, Sir. The work of replacement of main electric switches by MCBs in the Government quarters at Baba Kharak Singh Marg is in progress and scheduled to be completed by 31st March, 1995.

Uncovered overhead Water Tanks

4358. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some overhead water tanks in multi-storied Blocks of type-III quarters near Lohia Hospital at Baba Kharak Singh Marg (Phase-I), New Delhi are without proper cast iron covers, if so what are the reasons for complacency and negligence on the part of the concerned Engineers in a matter having direct bearing on the health of the resident officers of the Government and members of their families;

(b) what action is proposed to be taken in this regard;

(c) whether it is a fact that these cast iron covers have no fastening system and can be easily removed as also periodical inspections are not being done to ensure safety and proper maintenance of all such fittings, if so, what are the reasons therefor and what steps Government propose to take to ensure proper care in such matters; and

(d) what are the details of the dates on which these tanks were desilted and cleaned during the last three years and what periodicity has been fixed by the Department for this job and by when the next cleaning exercise is proposed to be completed?